वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन: 2025-26

रेहटी जाग्रति महिला संस्थान (RJMS), मध्य प्रदेश

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष: 2025-2026

रेहटी जाग्रति महिला संस्थान (RJMS), मध्य प्रदेश

टैगलाइन: स्वास्थ्य, सम्मान और समृद्धि

1. संस्थागत प्रोफाइल और वैधानिक परिचय

- **नाम: रेहटी जाग्रति महिला संस्थान (RJMS)**
- **पंजीकरण: 11 जनवरी 2018 (मॉडल प्रारंभ)**
- **मुख्यालय: रेहटी मेन रोड, पोस्ट ऑफिस के पास, ब्राह्मण मोहल्ला, रेहटी, सीहोर (म.प्र.) - 466446**
- **नेतृत्व: सरोज भल्लावी (अध्यक्ष), संतोषी तिवारी (मुख्य कार्यकारी अधिकारी)**
- **संपर्क: +91 9826912957 l rjms.rehti1823@gmail.com**
- **कार्यक्षेत्र: बुधनी और नसरुल्लागंज ब्लॉक, जिला सीहोर (म.प्र.)।**

2. संस्थागत परिचय एवं विजन (Organizational Vision)

रेहटी जाग्रति महिला संस्थान (RJMS) केवल एक स्वयंसेवी संस्था नहीं, बल्कि सीहोर जिले की ग्रामीण महिलाओं का एक सामूहिक स्वर है। 2018 में पंजीकरण के बाद से ही, हमारा उद्देश्य उन महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ना रहा है जो पितृसत्ता, जातिवाद और आर्थिक अभाव के कारण हाशिए पर धकेल दी गई थीं। आज संस्था 3,500 से अधिक महिलाओं के साथ स्वास्थ्य, न्याय और आजीविका के क्षेत्र में एक ठोस बदलाव ला रही है।

3. नेतृत्व का संदेश (Messages from the Leaders)

सरोज भल्लावी (अध्यक्ष) का संदेश: "RJMS का यह सातवां साल हमारे लिए आत्म-मंथन का रहा है। हमने सीखा है कि संस्था का असली आधार वह विश्वास है जो गाँव की एक साधारण महिला हम पर करती है। राजनीतिक और सामाजिक दबावों के बावजूद, हमारी बहनों ने यह साबित कर दिया कि जब महिलाएं संगठित होती हैं, तो वे बड़े से बड़े अन्याय को चुनौती दे सकती हैं। हमारा संगठन अब स्वावलंबन की राह पर है।"

संतोषी तिवारी (CEO) का संदेश: "एक संस्था के रूप में हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। हमने इस साल अपनी नेतृत्व की दूसरी पंक्ति (Second-line Leadership) को तैयार करने पर जोर दिया है। सुशीला, ममता, शोभा, हीरामुनी और रामेति जैसे साथियों ने ज़मीनी चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है। हमारा सफर अभी शुरू हुआ है, और हमारी मंज़िल हर महिला को एक स्वतंत्र पहचान दिलाना है।

4. संस्थागत ताकत (Organizational Strengths)

RJMS की नींव अत्यंत मज़बूत है, जो निम्नलिखित स्तंभों पर टिकी है:

- **महिला नेतृत्व एवं फोकस: हम पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित संगठन हैं, जिसका हर निर्णय ग्रामीण महिलाओं के हितों को ध्यान में रखकर लिया जाता है।**
- **विशाल जमीनी नेटवर्क: 3,500 ग्रामीण महिला सदस्यों का एक सक्रिय नेटवर्क हमारी रीढ़ है, जो सीहोर जिले के सबसे पिछड़े ब्लॉक में काम कर रहा है।**
- **गहरी स्थानीय समझ: भोपाल से मात्र 80 किमी दूर होने के बाद भी, रेहटी ब्लॉक में विकास की भारी कमी है। यहाँ की 70% आबादी आदिवासी है। RJMS को यहाँ की भौगोलिक, सामाजिक और शासकीय संरचनाओं की बारीक समझ है।**
- **समर्पित कार्यबल: हमारी 26 सदस्यीय टीम (16 महिलाएँ, 10 पुरुष) सामाजिक बदलाव के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखती है। टीम के भीतर संस्था के प्रति 'स्वामित्व' (Ownership) का भाव बहुत प्रबल है।**
- **साख और भरोसा: स्थानीय समुदायों, पंचायतों और सरकारी संस्थानों के साथ हमारे संबंध विश्वास और पारदर्शिता पर आधारित हैं।**

5. कार्यक्षेत्र एवं रणनीतिक स्तंभ (Thematic Areas)

संस्था 'स्वास्थ्य, सम्मान और समृद्धि' की अपनी टैगलाइन को सिद्ध करने के लिए इन तीन बड़े क्षेत्रों में काम करती है:

A. स्वास्थ्य (Health and Nutrition)

- **प्राथमिक स्वास्थ्य: मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।**
- **जागरूकता: पोषण वाटिका और एनीमिया मुक्त अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य व्यवहार में बदलाव लाना।**

B. सम्मान (Gender Rights and Governance)

- **लैंगिक समानता: महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकना और उनके नेतृत्व को बढ़ावा देना।**
- **गवर्नेंस सुदृढ़ीकरण: पंचायतों में पारदर्शिता लाना और ग्राम सभा में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना।**
- **संवैधानिक मूल्य: दलित, आदिवासी और महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों पर निरंतर जागरूकता।**

C. समृद्धि (Livelihood and Social Protection)

- **आजीविका संवर्धन: सिलाई और टिकाऊ खेती के माध्यम से आय बढ़ाना।**
- **जलवायु कार्य: पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाना।**
- **वित्तीय साक्षरता: बैंकिंग, बचत और ऋण प्रबंधन में महिलाओं को सक्षम बनाना।**
- **सामाजिक सुरक्षा: सरकारी योजनाओं (पेंशन, राशन, बीमा) तक वंचितों की पहुँच।**

6. रणनीतिक कार्यक्षेत्र एवं प्रभाव (Strategic Impact Areas)

A. ग्राम सभा: लोकतंत्र की नई परिभाषा

RJMS

संस्था ने इस वर्ष ग्राम सभाओं में महिलाओं की उपस्थिति को एक अनिवार्य शक्ति के रूप में स्थापित किया है। पहले जहाँ ग्राम सभाएं केवल कागजी औपचारिकता या पुरुषों के वर्चस्व तक सीमित थीं, वहीं अब दृश्य बदल गया है:

- सक्रिय भागीदारी: 50 से अधिक महिलाओं ने न केवल ग्राम सभा में प्रवेश किया, बल्कि गाँव के बजट और विकास योजनाओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने शिक्षा, आंगनवाड़ी की गुणवत्ता और गाँव की मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज़ उठाई।
- संवैधानिक जागरूकता: संस्था ने गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को यह समझाया कि वे केवल मतदाता नहीं, बल्कि शासन की हिस्सेदार हैं। इस जागरूकता ने उनके भीतर दबे हुए डर को खत्म किया और उन्हें पंचायत प्रतिनिधियों के सामने अपनी बात रखने का साहस दिया।

B. सखी स्वावलंबन कारवां: एक जन आंदोलन

जनवरी 2026 में आयोजित 5 दिवसीय 'सखी स्वावलंबन कारवां' संस्था के लिए एक वैचारिक जीत थी।

- सामुदायिक एकजुटता: 19 गाँवों से गुज़रते हुए इस कारवां ने हज़ारों महिलाओं को एक सूत्र में पिरोया। यह कारवां केवल उत्सव नहीं था, बल्कि गाँवों में महिलाओं की शक्ति का प्रदर्शन था, जिसने यह संदेश दिया कि RJMS उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है।
- चेतना का प्रसार: कारवां के माध्यम से हमने उन रूढ़ियों पर प्रहार किया जो महिलाओं को घर के बाहर निकलने से रोकती थीं। इसका समापन संस्था के स्थापना दिवस पर हुआ, जिसने कार्यकर्ताओं के मनोबल को सातवें आसमान पर पहुँचा दिया।

C. आजीविका और सहकारी मॉडल (Cooperative Growth)

आर्थिक स्वतंत्रता ही सामाजिक स्वतंत्रता की नींव है। इस वर्ष हमारी सहकारी समिति ने नए आयाम छुए हैं:

- सदस्यता विस्तार: 550 नई महिलाओं का जुड़ना यह दर्शाता है कि ग्रामीण महिलाएं अब सामूहिक व्यापार की शक्ति को समझ रही हैं।
- कौशल संवर्धन: 132 महिलाओं को सिलाई और पारंपरिक उत्पादों के मूल्यवर्धन (Value Addition) का सघन प्रशिक्षण दिया गया। हमारा उद्देश्य महिलाओं को मज़दूरी से निकालकर उद्यमिता (Entrepreneurship) की ओर ले जाना है, ताकि वे बिचौलियों के शोषण से मुक्त होकर अपने श्रम का सही मूल्य पा सकें।

6. ज़मीनी चुनौतियाँ एवं संघर्ष (Institutional Challenges)

एक ग्रामीण महिला संगठन होने के नाते, हमें कई स्तरों पर संघर्ष करना पड़ा है:

- राजनीतिक एवं सामाजिक हस्तक्षेप: जब महिलाएं संगठित होकर ग्राम सभा में सवाल पूछती हैं या सरकारी हकदारी की मांग करती हैं, तो अक्सर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। गाँवों में स्थापित पितृसत्तात्मक ढांचे और कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा संस्था के काम में बाधा डालने की कोशिशें की गईं, लेकिन महिलाओं की एकजुटता ने इन शक्तियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।
- संसाधनों की कमी: एक छोटी संस्था होने के नाते, हमारे पास सीमित संसाधन हैं। गाँवों के कठिन भौगोलिक क्षेत्रों तक पहुँचने और प्रशासनिक स्तर पर पैरवी करने के लिए हमें बहुत कम संसाधनों में बड़ी जंग लड़नी पड़ती है।
- दस्तावेजीकरण और जटिल नियम: सरकारी और विधिक प्रक्रियाओं की जटिलता ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के लिए एक बड़ी चुनौती बनी रहती है, जिसे हम प्रशिक्षण के माध्यम से सरल बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

7. सांगठनिक सीख (Institutional Learnings)

- सामूहिक नेतृत्व का महत्व: हमने सीखा कि संस्था का नेतृत्व केवल CEO या अध्यक्ष तक सीमित नहीं होना चाहिए। इस साल बोर्ड के सदस्यों द्वारा किया गया आंतरिक ऑडिट यह साबित करता है कि जब जिम्मेदारी साझा की जाती है, तो पारदर्शिता और ईमानदारी अपने आप बढ़ जाती है।
- ईमानदारी ही साख है: जब संस्था का वित्तीय हिसाब-किताब पारदर्शी होता है, तो समुदाय का भरोसा और गहरा होता है। अपनी आय-व्यय की जानकारी पूरी टीम और बोर्ड के साथ साझा करने से संगठन की आंतरिक एकता मज़बूत हुई है।
- धैर्य और निरंतरता: बदलाव रातों-रात नहीं आता। सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने के लिए हमें गाँवों में निरंतर और धैर्यपूर्वक काम करना होगा।

8. भविष्य की दिशा (The Way Forward)

- संगठन की आंतरिक मजबूती: आने वाले वर्ष में हमारा मुख्य ध्यान RJMS को एक ऐसे अटूट भरोसे वाले संगठन के रूप में विकसित करना है, जहाँ हर महिला यह महसूस कर सके कि यह उसका अपना मंच है। हम संगठन के भीतर एक ऐसा वातावरण बनाएंगे जहाँ हर बहन बिना किसी हिचकिचाहट के अपने दिल की बात और अपनी समस्याओं को साझा कर सके।
- अनुभवों से ठोस रणनीति: हम अपने पिछले सालों के जमीनी अनुभवों का विश्लेषण करेंगे और उनके आधार पर महिलाओं के विकास के लिए व्यावहारिक रणनीतियां तैयार करेंगे। हमारा

उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारी योजनाएं केवल कागजों पर न हों, बल्कि महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन में सकारात्मक और वास्तविक बदलाव ला सकें।

- नेतृत्व का विस्तार: हम गाँव स्तर पर अपने कैडर और महिला लीडर्स की क्षमता को और बढ़ाएंगे, ताकि वे स्वतंत्र रूप से अपने मुद्दों पर निर्णय ले सकें और संगठन की साख को हर घर तक पहुँचा सकें।
- तकनीकी सुदृढ़ीकरण: कार्यालय की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए डिजिटल संसाधनों को अपनाना और टीम के मनोबल को बनाए रखने के लिए उनके कल्याण (मानदेय में सुधार) पर ध्यान देना हमारी प्राथमिकता रहेगी।
- अधिकारों की पैरवी: पंचायत राज और वन अधिकार (FRA) के मुद्दों पर हम अपनी आवाज़ और प्रखर करेंगे।
- बाज़ार और नेटवर्क: महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए एक स्वतंत्र बाज़ार नेटवर्क तैयार करना, ताकि वे आर्थिक रूप से पूरी तरह स्वावलंबी बन सकें।

9. उपलब्धियाँ एवं गतिविधियां

- मीडिया पहचान: संस्था के कार्यों को 19 बार स्थानीय समाचारों में स्थान मिला।
- कवर स्टोरी: प्रतिष्ठित पत्रिका 'कृषि मंथन' द्वारा RJMS के कार्यों को कवर स्टोरी के रूप में प्रकाशित करना हमारी विश्वसनीयता का प्रमाण है।

प्रमुख गतिविधियों एवं उपलब्धियों का सांख्यिकीय विवरण (2025-26)

क्रम संख्या	**मुख्य गतिविधि / प्रभाव क्षेत्र**	**वार्षिक लक्ष्य (नियोजित)**	**वास्तविक उपलब्धि**	**प्रभाव का स्तर**
1	**सामुदायिक सदस्यता विस्तार**	**500 नई महिलाएं**	**550 नई महिलाएं**	**सहकारी समिति की शक्ति में वृद्धि**
2	**ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी**	**व्यापक जागरूकता**	**50+ महिलाएं**	**पहली बार सक्रिय भागीदारी और हस्तक्षेप**

3	कौशल विकास प्रशिक्षण (सिलाई)	8 गाँव	132 महिलाएं	आजीविका के नए स्रोतों का निर्माण
4	सामाजिक सुरक्षा योजना लिंकेज	1000 आवेदन (मैपिंग)	632 सफल आवेदन	पेंशन, राशन और बीमा का लाभ
5	सखी स्वावलंबन कारवां (जागरूकता)	15 गाँव	19 गाँव	हज़ारों महिलाओं तक अधिकारों की पहुँच
6	नेतृत्व विकास (मास्टर ट्रेनर्स)	25 लीडर्स	30 मास्टर ट्रेनर्स	समुदाय आधारित स्वतंत्र नेतृत्व तैयार
7	वन अधिकार (FRA) प्रशिक्षण	जागरूकता सत्र	107 सदस्य	जल-जंगल-जमीन पर कानूनी समझ
8	संस्थागत क्षमता संवर्धन	नियमित समीक्षा	12 बोर्ड मीटिंग्स	मासिक समीक्षा और सशक्त निर्णय प्रक्रिया
9	मीडिया एवं विजिबिलिटी	प्रचार-प्रसार	19 लेख/कवर स्टोरी	राज्य स्तर पर संस्था की पहचान

RJMS

केस स्टोरी (धरातल से बदलाव की गूँज)

स्टोरी 1.

सफलता की कहानी: उम्मीदों का कारवां – जब एक 'तूफान' ने आंदोलन में नई जान फूंक दी

पिछले दो वर्षों से, संस्था और गाँवों के बीच एक अजीब सी खामोशी पसर गई थी। ज़मीनी गतिविधियाँ धीमी पड़ गई थीं और वह पारिवारिक जुड़ाव, जो कभी हमारी ताकत था, कमज़ोर पड़ने लगा था। लेकिन जनवरी 2026 में, एक सजी हुई 'तूफान' गाड़ी की गड़गड़ाहट और बीस महिला लीडरों के खिलखिलाते चेहरों ने उस सन्नाटे को तोड़ दिया। यह कहानी है 'सखी स्वावलंबन कारवां' की—एक ऐसी पाँच दिवसीय यात्रा, जिसने न केवल 19 गाँवों का दौरा किया, बल्कि एक आंदोलन की आत्मा को फिर से जीवंत कर दिया।

रानियों जैसा स्वागत

जैसे ही कारवां मुर्रा, मीरगाँव और बनिया जैसे गाँवों में दाखिल हुआ, वहाँ की फिज़ा ही बदल गई। टीम का स्वागत औपचारिक हाथ मिलाने से नहीं, बल्कि खुशी के आँसुओं और फूलों की बारिश के साथ हुआ। गाँव-गाँव में बहनों ने अपने बगीचों से हाथ से चुने हुए फूलों की कालीन बिछा दी थी। वह मेहमाननवाजी प्यार का एक उत्सव थी—गरमा-गरम गुलाब जामुन, स्थानीय पकवान और चाय का वह दौर जिसने सबको एक धागे में पिरो दिया। एक बहन ने भावुक होकर कहा, *"हम यहाँ सिर्फ किसी संस्था (NGO) का स्वागत नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम अपने घर को वापस गाँव में बुला रहे हैं।"*

RJMS

सत्ता की दहलीज पर धमक

सबसे शक्तिशाली पल जमुनिया गाँव में देखने को मिला। ऐतिहासिक रूप से, पंचायत भवन एक ऐसी जगह थी जहाँ महिलाएँ जाने की हिम्मत कम ही करती थीं। लेकिन जब सरपंच ने आत्मविश्वास से भरी महिलाओं के सैलाब को अपनी ओर आते देखा, तो वे एक ऐतिहासिक कदम उठाने को मजबूर हो गए। उन्होंने पंचायत भवन के द्वार खोल दिए और बैठक को किसी निजी बरामदे से हटाकर सीधे 'सत्ता के हॉल' (पंचायत भवन के मुख्य कक्ष) में आयोजित किया।

सरपंच ने घोषणा की, *"पहली बार, मैं इस पूरे गाँव की महिलाओं को एक साथ इस कार्यालय में प्रवेश करते देख रहा हूँ। आज से यह कार्यालय आपका है।"* यह एक प्रतीकात्मक जीत थी—वह क्षण जब 'तूफान' गाड़ी ने लोकतंत्र को सीधे महिलाओं के हाथों में पहुँचा दिया।

अपने भीतर के नेता की खोज

यह कारवां उन महिलाओं के लिए एक मंच बन गया जो अब तक 'अदृश्य' थीं। जिन महिलाओं ने अपना पूरा जीवन घर की चारदीवारी के साये में बिताया था, उन्होंने पहली बार हाथ में माइक थामा। यह बदलाव अद्भुत था। 12 साल की बच्चियों से लेकर 80 साल की दादी-नानी तक, सबकी ऊर्जा देखने लायक थी।

एक गाँव में, तालमेल वाले खेल (Coordination Games) जीतने के बाद एक बुज़ुर्ग माँ, जो हँसते-हँसते थक गई थीं, धीरे से बुदबुदाईं— *"पूरी ज़िंदगी मैंने दूसरों के लिए तालियाँ बजाईं, आज पहली बार ढोल मेरे लिए बजे हैं।"* संस्था की लीडर्स— सरोज और रामेति को भी इस यात्रा में एक नई आग मिली। तीन रातों तक पूरी टीम ऑफिस में साथ रुकी, साथ खाना पकाया, नाचे और भोर होने तक कहानियाँ साझा कीं। वे अब केवल कर्मचारी नहीं थे; वे एक 'सखी मंडल' (Sisterhood) बन चुके थे, जिन्होंने अपने उस बचपन के आनंद को फिर से पा लिया था जिसे बरसों पहले कहीं दबा दिया गया था।

सीहोर सुपर टाइम

Monday, 12-01-2026 sehore — Digital sstime3gmail.com

सखी स्वावलंबन कारवां" ने रेहटी के गाँवों में जगाई आत्मनिर्भरता की अलख: 2000 बहनों ने रचा नया इतिहास

रेहटी/सीहोर। महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में रेहटी तहसील ने एक नई इबारत लिखी है। रेहटी जागृति महिला संस्थान एवं जागृति महिला बहुद्देशीय सहकारी संस्था, सीहोर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय "सखी स्वावलंबन कारवां" ने ग्रामीण अंचल में भारी उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 8 से 10 जनवरी तक चले इस विशेष अभियान ने महज तीन दिनों में एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया, जिसमें लगभग 2000 महिलाओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

गाँवों में दिखा उत्सव सा माहौल, चौपालों पर सजी चर्चाएं

इस अभियान के तहत 25 दीदियों के एक विशेष दल ने रेहटी तहसील के 20 गाँवों का भ्रमण किया। कारवां के गाँवों में पहुँचते ही महिलाओं ने ढोल-मंजीरों, नृत्य और पुष्प वर्षा के साथ दल का अभूतपूर्व स्वागत किया। प्रत्येक गाँव में 2 से 2:30 घंटे की विशेष चौपाल आयोजित की गई, जहाँ महिलाओं ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि अपने जीवन के अनुभवों और आत्मनिर्भरता के संघर्षों को साझा किया। यह कारवां महिलाओं के आपसी विश्वास और संगठन की शक्ति का प्रतीक बनकर उभरा।

हुनर को मिला बाजार: 3 दिन में 24 हजार का कारोबार

इस यात्रा का सबसे सुखद पहलू आर्थिक स्वावलंबन रहा। महिलाओं द्वारा स्व-सहायता समूहों के माध्यम से तैयार किए गए उत्पादों जैसे—मल्टीग्रेन आटा, दलिया, सत्तू और हस्तशिल्प की भारी बिक्री हुई। बहनों ने एक-दूसरे के हुनर का सम्मान करते हुए मात्र तीन दिनों में ₹24,000 के उत्पादों की खरीदी की। इस पहल से न केवल स्थानीय उत्पादों को बाजार मिला, बल्कि कई नई हुनरमंद महिलाएं भी सामने आईं, जिन्हें संस्थान भविष्य में आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने की योजना बना रहा है।

उभरता नेतृत्व और आत्म-सम्मान संस्था की सीईओ संतोषी तिवारी ने बताया कि इस कारवां का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के भीतर छिपे आत्मविश्वास को जागृत करना था। उन्होंने कहा, "गाँवों में महिलाओं के भीतर गजब की नेतृत्व क्षमता (Leadership) और आत्म-सम्मान देखने को मिला। बहनों ने स्वयं मंच संभालकर अपने हक और विकास की बात की, जो इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता है।" आज 12 जनवरी को होगा भव्य समापन और स्थापना दिवस उत्सव इस गौरवशाली यात्रा का औपचारिक समापन आज 12 जनवरी को रेहटी जागृति महिला संस्थान के कार्यालय पर किया जाएगा। विशेष बात यह है कि आज ही संस्थान का 7वाँ स्थापना दिवस भी है। इस दोहरे अवसर पर कारवां के अनुभवों को साझा किया जाएगा और बेहतरीन कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, आगामी वर्ष के लिए स्वरोजगार के नए लक्ष्यों की घोषणा भी की जाएगी।

RJMS

यात्रा की विरासत

इस यात्रा का समापन 12 जनवरी को संस्था के 7वें स्थापना दिवस पर हुआ। पतंगों से सजे आसमान के नीचे, टीम ने उन गाँवों की ओर मुड़कर देखा जो अब पूरी तरह से जाग चुके थे।

इस कारवां ने साबित कर दिया कि नेतृत्व किताबों से नहीं सीखा जाता; यह गाँवों की धूल भरी सड़कों और समुदाय की साझा ताकत में मिलता है। आज, पत्तलाई और सेमलपानी जैसी गाँवों की महिलाएँ अब मेज़ पर जगह नहीं मांगतीं—वे जानती हैं कि यह मेज़ उन्हीं की है। 'तूफान' गाड़ी तो गुज़र गई, लेकिन कारवां की वह भावना पीछे छूट गई है, जिसने नेतृत्व की परिभाषा को हमेशा के लिए बदल दिया है।

स्टोरी- 2.

लोकतंत्र की ओर पहला कदम: सेमलपानी एक छोटा सा गाँव है जो अपनी मेहनती महिलाओं के लिए जाना जाता है—लेकिन हाल तक, सार्वजनिक निर्णय लेने वाली प्रक्रियाओं में उनकी आवाज़ कहीं गायब थी। वर्षों तक, ग्राम सभा की बैठकों को केवल पुरुषों के लिए आरक्षित स्थान के रूप में देखा जाता था, जबकि महिलाएँ केवल घरेलू भूमिकाओं तक ही सीमित रहती थीं।

बदलाव की शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 को हुई, जब पास के एक गाँव में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई थी। RJMS की सामुदायिक कार्यकर्ता किरण उइके, जिन्होंने हाल ही में नागरिक अधिकारों और शासन प्रणाली पर प्रशिक्षण प्राप्त किया था, उन्होंने गौर किया कि उस बैठक में केवल पुरुष ही शामिल थे। उस पल ने उनके भीतर अपने गाँव की स्थिति बदलने का एक दृढ़ संकल्प पैदा कर दिया।

गाँव लौटने पर, किरण ने सेमलपानी की महिलाओं के साथ एक बैठक की। शुरुआत में काफी हिचकिचाहट थी—कई महिलाओं ने सवाल उठाया कि ऐसी जगहों पर उनकी क्या भूमिका हो सकती है? लेकिन सरल और आत्मीय बातचीत के माध्यम से, किरण और कुछ प्रशिक्षित महिला लीडरों ने उन्हें प्रोत्साहित किया: *"अगर हम अपनी समस्याओं के बारे में बात नहीं करेंगे, तो व्यवस्था को कैसे पता चलेगा? हम भी इस गाँव के नागरिक हैं।"*

धीरे-धीरे, महिलाएँ एकजुट हुईं और उन्होंने सामूहिक रूप से माँग की कि उनके अपने गाँव में भी ग्राम सभा आयोजित की जाए। उनकी आवाज़ सुनी गई और बैठक का समय तय हुआ। अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए, महिलाओं ने अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों के अनुसार बैठक के समय को सुबह से बदलकर दोपहर करने के लिए बातचीत की और उसे मनवा लिया।

5 अक्टूबर को एक नया इतिहास रचा गया। लगभग 50-60 महिलाएँ आंगनवाड़ी केंद्र पर एकत्र हुईं, जो ग्राम सभा में उनकी पहली सामूहिक भागीदारी थी। हालाँकि शुरुआत में वे थोड़ी झिझक रही थीं, लेकिन प्रक्रिया का हिस्सा बनकर उनका आत्मविश्वास बढ़ गया। उन्होंने गाँव में जल निकासी की खराब व्यवस्था और कीचड़ भरी सड़कों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

उनकी सामूहिक आवाज़ का असर तुरंत दिखा—गाँव में जल निकासी (ड्रेनेज) प्रणाली का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

आज, सेमलपानी की महिलाएँ गर्व से कहती हैं, *"हम ग्राम सभा में गए, हमने अपनी आवाज़ उठाई और हमारी समस्याओं का समाधान हुआ।"*

हालाँकि एक नाली का निर्माण एक छोटा परिणाम लग सकता है, लेकिन इसने महिलाओं के भीतर जिस आत्मविश्वास, सम्मान और नागरिक होने के अहसास को जन्म दिया है, वह एक बहुत बड़े सामाजिक बदलाव की शुरुआत है।

स्टोरी- 3.

हमारी उपलब्धियाँ और सम्मान: पहचान की ओर बढ़ते कदम : संस्था के आजीविका और संसाधन प्रबंधन के प्रयासों को इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली। हमारी महिला समूह ने गाँव की जल आपूर्ति प्रबंधन (Water Supply Management) की कमान अपने हाथों में ली, जहाँ उन्होंने एक सुचारु शुल्क प्रणाली (Tariff System) और स्थायी रखरखाव सुनिश्चित किया।

उनकी इस निष्ठा और कार्यकुशलता को भारत सरकार द्वारा सराहा गया। हमारे समूह को नई दिल्ली आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें एक राष्ट्रीय समारोह में सम्मानित किया गया। इसके उपरांत, राज्य स्तर पर भी संस्था को विशिष्ट सम्मान से नवाज़ा गया, जिसने हमारी जमीनी मेहनत पर मुहर लगा दी।

RJMS

नेतृत्व का सम्मान और स्थानीय समर्थन

संस्था के नेतृत्व को भी इस वर्ष विशेष गौरव प्राप्त हुआ। रेहटी जाग्रति महिला संस्थान (RJMS) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) को प्रतिष्ठित "नगर गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान क्षेत्रीय प्रतिनिधियों और स्थानीय विधायक महोदय द्वारा प्रदान किया गया। इस गरिमामय समारोह में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम नेहा मेहता (अंजलि मेहता) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

संस्था के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण तब और पुख्ता हो गया जब स्थानीय विधायक जी ने हमारे मिशन के समर्थन में ₹15,000 का व्यक्तिगत दान प्रदान किया। यह हमारे कार्यों को मिलने वाले मज़बूत राजनैतिक और सामाजिक समर्थन का प्रतीक है।

संस्थागत मील के पत्थर (Institutional Milestones)

इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, सामुदायिक भागीदारी और सुशासन (Governance) के क्षेत्र में हमने महत्वपूर्ण सफलताएँ हासिल कीं:

- वार्षिक आम बैठक (AGM): संस्था ने 163 प्रतिभागियों की उपस्थिति में अपनी वार्षिक आम बैठक (AGM) सफलतापूर्वक संपन्न की, जो संस्था के प्रति सदस्यों के गहरे स्वामित्व को दर्शाती है।
- लोकतांत्रिक भागीदारी: स्थानीय निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं के नेतृत्व को मज़बूत करने के लिए 63 महिलाओं ने ग्राम सभाओं में सक्रिय भागीदारी की।
- रणनीतिक पैरवी: पंचायत प्रतिनिधियों (PRI) और सरकारी अधिकारियों के साथ 14 रणनीतिक बैठकें आयोजित की गईं ताकि समुदाय की समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।
- दृश्यता और प्रभाव: हमारी गतिविधियों को व्यापक पहचान दिलाने के लिए मीडिया में 20 समाचार विज्ञप्तियाँ (Press Releases) जारी की गईं।
- आर्थिक सशक्तिकरण: हमारी सहकारी समिति में 550 नए सदस्य शामिल हुए, जिससे हमारी सामूहिक वित्तीय बुनियाद और भी मज़बूत हुई है।

RJMS

एक उज्ज्वल भविष्य की ठोस शुरुआत

ये उपलब्धियाँ हमारे लिए महज़ ट्रॉफियां नहीं हैं; ये हमारे संस्थागत विकास का जीवंत प्रमाण हैं। हम एक स्थानीय NGO से बढ़कर अब एक ऐसी मान्यता प्राप्त संस्था बन चुके हैं, जिस पर सरकारी निकाय और अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन भरोसा करते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार, विधायी समर्थन और समुदाय के नेतृत्व में जल प्रबंधन की सफलता यह सिद्ध करती है कि 'जाग्रति महिला संस्थान' सही दिशा में आगे बढ़ रहा है—एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहा है जहाँ हर महिला एक सशक्त और जागरूक नागरिक है।

स्टोरी- 4.

गाँव की पगडंडियों से विश्वविद्यालय के गलियारों तक:

इस वर्ष, RJMS के 10 उभरते हुए लीडर्स (8 महिलाएँ और 2 पुरुष) एक असाधारण यात्रा पर निकले—उन्होंने अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी (Azim Premji University) के एक विशेष 'लीडरशिप कोर्स' में भाग लिया। इनमें से कई महिलाएँ ऐसी थीं जिन्होंने केवल 8वीं या 10वीं तक पढ़ाई की थी, उनके लिए एक विश्वविद्यालय के परिसर में कदम रखना किसी नामुमकिन सपने जैसा था।

यह सपना तब हकीकत बन गया जब संस्था की चार महिला लीडर्स ने पहली बार अपने राज्य की सीमा लांघी और राजस्थान में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया। यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं थी, बल्कि उनके आत्मविश्वास और आकांक्षाओं में एक बहुत बड़ी छलांग थी।

यद्यपि यह कोर्स अगले वर्ष भी जारी रहेगा, लेकिन इसके सकारात्मक बदलाव अभी से दिखने लगे हैं। प्रतिभागी अक्सर साझा करती हैं, *"भले ही हम बहुत पढ़े-लिखे नहीं हैं, लेकिन यह कोर्स हमें ऐसा महसूस कराता है जैसे हम कॉलेज में पढ़ रहे हों।"*

इस कार्यक्रम ने उनके समुदाय के साथ जुड़ने के नज़रिए को पूरी तरह बदल दिया है। फील्ड-आधारित प्रोजेक्ट्स और असाइनमेंट के माध्यम से वे अब:

- शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में गाँव स्तर के मुद्दों का गहरा विश्लेषण कर रही हैं।
- ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) की प्रक्रियाओं को समझकर उनमें हस्तक्षेप कर रही हैं।
- भारत के संविधान और नागरिक अधिकारों की बारीक समझ विकसित कर रही हैं।

इस प्रशिक्षण का एक सबसे प्रेरणादायक परिणाम रचनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में सामने आया। संस्था की लीडर, सरोज भल्लावी ने तो संविधान पर एक गीत ही रच दिया, जिसे अब समुदाय के बीच बहुत उत्साह से साझा किया जाता है: *"संविधान हमारा है, हमें इसे समझना होगा...*यह पहल केवल एक ट्रेनिंग नहीं है—यह जमीनी स्तर के उन लीडर्स की एक नई पीढ़ी तैयार कर रही है जो तार्किक रूप से सोचते हैं, आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं और भविष्य में अपने समुदायों का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हमारी महत्वपूर्ण साझेदारियाँ (Our Valued Partnerships)

1. नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया (National Foundation for India - NFI)

NFI के साथ हमारी साझेदारी ने हमें ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासन (Governance) और सामाजिक सुरक्षा की पहुँच मज़बूत करने में मदद की है। इनके सहयोग से हम हाशिए पर खड़े समुदायों के अधिकारों के लिए 'प्रोजेक्ट बंधुत्व' जैसे अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित कर पा रहे हैं।

2. अजीम प्रेमजी फाउंडेशन (Azim Premji Foundation)

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग ने हमारी संस्थागत क्षमता और नेतृत्व विकास (Leadership Development) को एक नई ऊँचाई दी है। इनके माध्यम से हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं को न केवल शैक्षणिक स्तर पर मज़बूती मिली है, बल्कि भविष्य के लीडर्स तैयार करने की हमारी रणनीति को भी बल मिला है।

RIMS

RJMS का सशक्त परिवार